भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2791

(दिनांक 17.12.2025 को उत्तर देने के लिए)

आकाशवाणी और दूरदर्शन के कामकाज में सुधार

2791. श्री परषोत्तमभाई रुपालाः

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) निजी प्रसारकों से मिल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए आकाशवाणी और दूरदर्शन के कामकाज और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है;

(ख) दूरदर्शन के कार्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ाने, इसके चैनलों की टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट्स (टीआरपी) रेटिंग बढ़ाने तथा विज्ञापन राजस्व बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्रियान्वित उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा देश भर में आकाशवाणी और दूरदर्शन केंद्रों पर नई प्रौद्योगिकियों और उपकरणों को अपनाने एवं उन्नत बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) गत तीन वर्षों के दौरान आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा निजी विज्ञापन क्षेत्र से सरकार को कुल कितनी आय हुई तथा ऐसे विज्ञापनों से आय में और वृद्धि करने हेतु उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री

(डॉ. एल. मुरूगन)

(क) से (घ): भारत सरकार बेहद प्रतिस्पर्धी प्रसारण वातावरण में दूरदर्शन और आकाशवाणी की कार्यप्रणाली और दर्शक पहुंच को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर उपाय कर रही है।

सामग्री की गुणवत्ता और विविधता में सुधार करने के लिए, व्यापक भागीदारी और कार्यक्रमों के तेजी से अधिग्रहण को सक्षम बनाने के लिए 2024 में एक सरलीकृत कंटेंट सोर्सिंग नीति शुरू की गई थी।

नए कार्यक्रम नियमित रूप से शुरू किए जाते हैं और क्षेत्रीय एवं राज्य केंद्रों द्वारा स्थानीय कलाकारों को क्षेत्रीय भाषाओं में सामग्री निर्माण करने के लिए जोड़ा जाता है। बेहतर प्रतिभाओं को आकर्षित करने और अंततः दूरदर्शन के 66 कार्यक्रम निर्माण केंद्रों में गुणवत्तापूर्ण स्थानीय सामग्री को बढ़ावा देने के लिए कलाकार एवं अस्थायी कर्मचारी दरों में भी संशोधन किया गया है।

व्यापक जनसंपर्क सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख राष्ट्रीय आयोजनों का नियमित रूप से सीधा प्रसारण किया जाता है। इसके कुछ उदाहरणों में महाकुंभ 2025 (प्रयागराज), वेव्स 2025 (मुंबई) और इसरो के उपग्रह प्रक्षेपण शामिल हैं।

प्रौद्योगिकी उन्नयन में कई डीडी चैनलों का हाई डेफिनिशन (एचडी) में प्रसारण और ओटीटी प्लेटफॉर्म "वेव्स" के शुभारंभ के माध्यम से डिजिटल उपस्थिति को मजबूत करना शामिल है। डीडी और अन्य चैनल वेव्स ओटीटी, ऑनलाइन न्यूजऑनएआईआर मोबाइल ऐप आदि पर एकीकृत हैं।

आकाशवाणी ने "द आकाशवाणी पॉडकास्ट" और "आकाशवाणी ओरिजिनल्स" नाम से ऑडियो-विज़ुअल पॉडकास्ट सीरीज़ भी लॉन्च की है।

आकाशवाणी में संरचनात्मक सुधार किए गए हैं, जिनमें क्लस्टर प्रमुखों/कार्यालय प्रमुखों के लिए स्पष्ट भूमिकाएं, राजस्व सृजन पर ध्यान केंद्रित करना, सामग्री में सुधार और बाजार तक पहुंच शामिल हैं।

ऐप्स, ओटीटी और सोशल मीडिया जैसे वैकल्पिक प्रसारण माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है, जिन्हें क्रॉस-चैनल प्रचार और समन्वित विपणन प्रयासों की सहायता प्राप्त हो रही है।

प्रसार भारती के आधुनिकीकरण और उन्नयन का कार्य प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास (बीआईएनडी) योजना (2021-26) के तहत ₹2,539.61 करोड़ के परिव्यय के साथ किया जा रहा है।

यह डिजिटलीकरण, पुरानी प्रणालियों के प्रतिस्थापन, स्टूडियो और ट्रांसमीटर के उन्नयन, कवरेज विस्तार और नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर केंद्रित है।

राजस्व को और बढ़ाने के उपायों में बेहतर ग्राहक सहभागिता, राजस्व-उन्मुख सामग्री योजना, बहु-प्लेटफ़ॉर्म प्रचार और एकीकृत विज्ञापन रणनीतियाँ भी शामिल हैं।

आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा गैर-सरकारी विज्ञापन क्षेत्र से 2022-25 के दौरान अर्जित कुल राजस्व ₹587.78 करोड़ रहा।

****